## पाठसारः

इस पाठ में संस्कृत के तीनों लिंगों एवं तीनों वचनों का परिचय कराया गया है। संस्कृत शब्दों में तीन ही लिंग और तीन ही वचन होते हैं।

## व्याकरणम्

- शब्दों के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे **पुल्लिंगम्** कहते हैं।
- शब्दों के जिस रूप से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे **स्त्रीलिंगम्** कहते हैं।
- शब्दों के जिस रूप से न पुरुष और न स्त्री जाति का बोध होता है, उसे **नपुंसकलिंगम्** कहते हैं।
- एकवचनम् से एक, द्विवचनम् से दो तथा बहुवचनम् से दो से अधिक की संख्या का बोध होता है।

# अभ्यासः

## मुखेन

**1. अधोलिखितानाम् उच्चारणं कुरुत–**

(निम्नलिखित का उच्चारण कीजिए– *Pronounce the following*)–

| | | |
|---|---|---|
| शुकः | शुकौ | शुकाः |
| अश्वः | अश्वौ | अश्वाः |
| घटिका | घटिके | घटिकाः |
| पुस्तकम् | पुस्तके | पुस्तकानि |

## लेखिन्या

**2. अधोलिखितानां हिन्द्याम् अनुवादं कुरुत–**

(निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– *Translate the following in Hindi*)–

(क) अश्वौ = दो घोड़े

(ख) महिले = दो महिलाएँ

(ग) गजाः = अनेक हाथी

(घ) घटिकाः = अनेक घड़ियाँ

(ङ) शुकः = तोता

(च) पत्राणि = अनेक पत्ते

(छ) मयूराः = अनेक मोर

(ज) पुस्तके = दो पुस्तकें

(झ) कपोताः = अनेक कबूतर

(ञ) आम्रम् = आम



Scanned with CamScanner

## व्याकरणेन

### 3. वचनानुसारेण पदानि चिनुत–

(वचन के अनुसार पद चुनिए– *Choose the terms according to number*)–

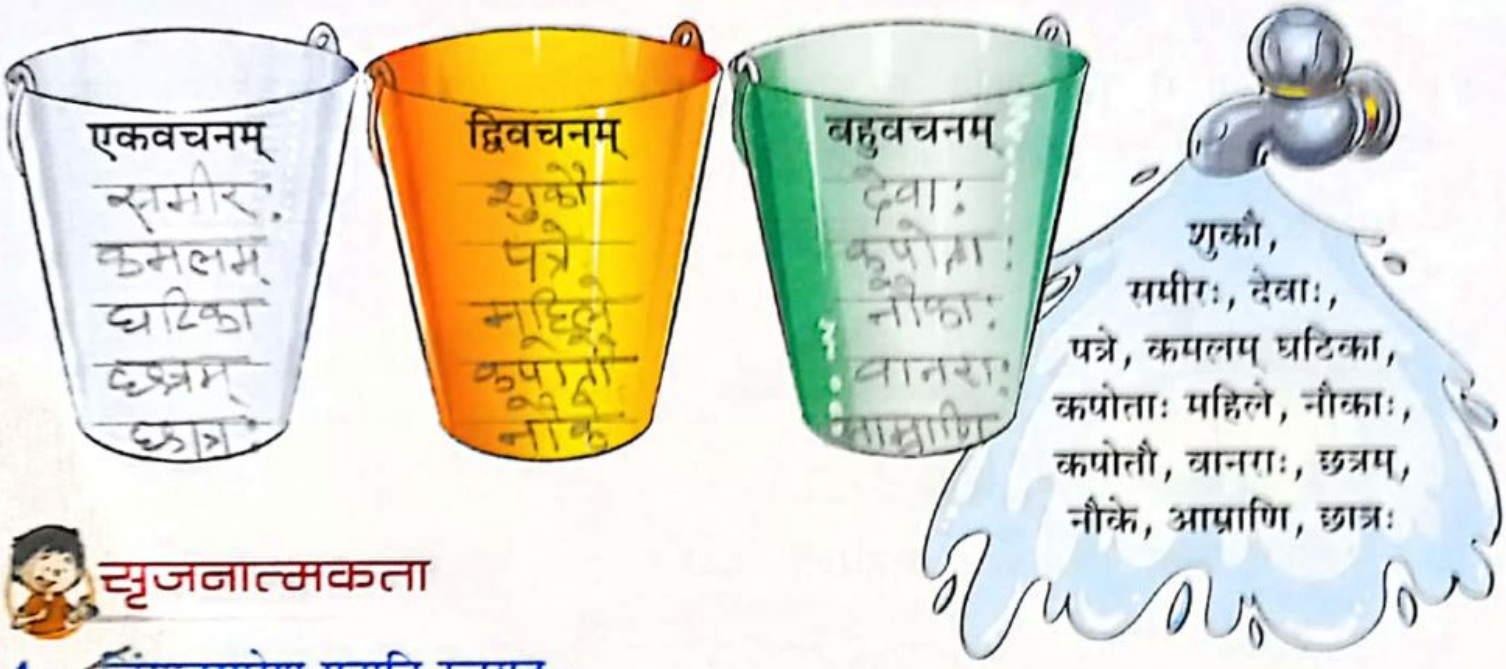


## सृजनात्मकता

### 4. लिंगानुसारेण पदानि रचयत–

(लिंग के अनुसार पदों की रचना कीजिए– *Make terms according to gender*)–

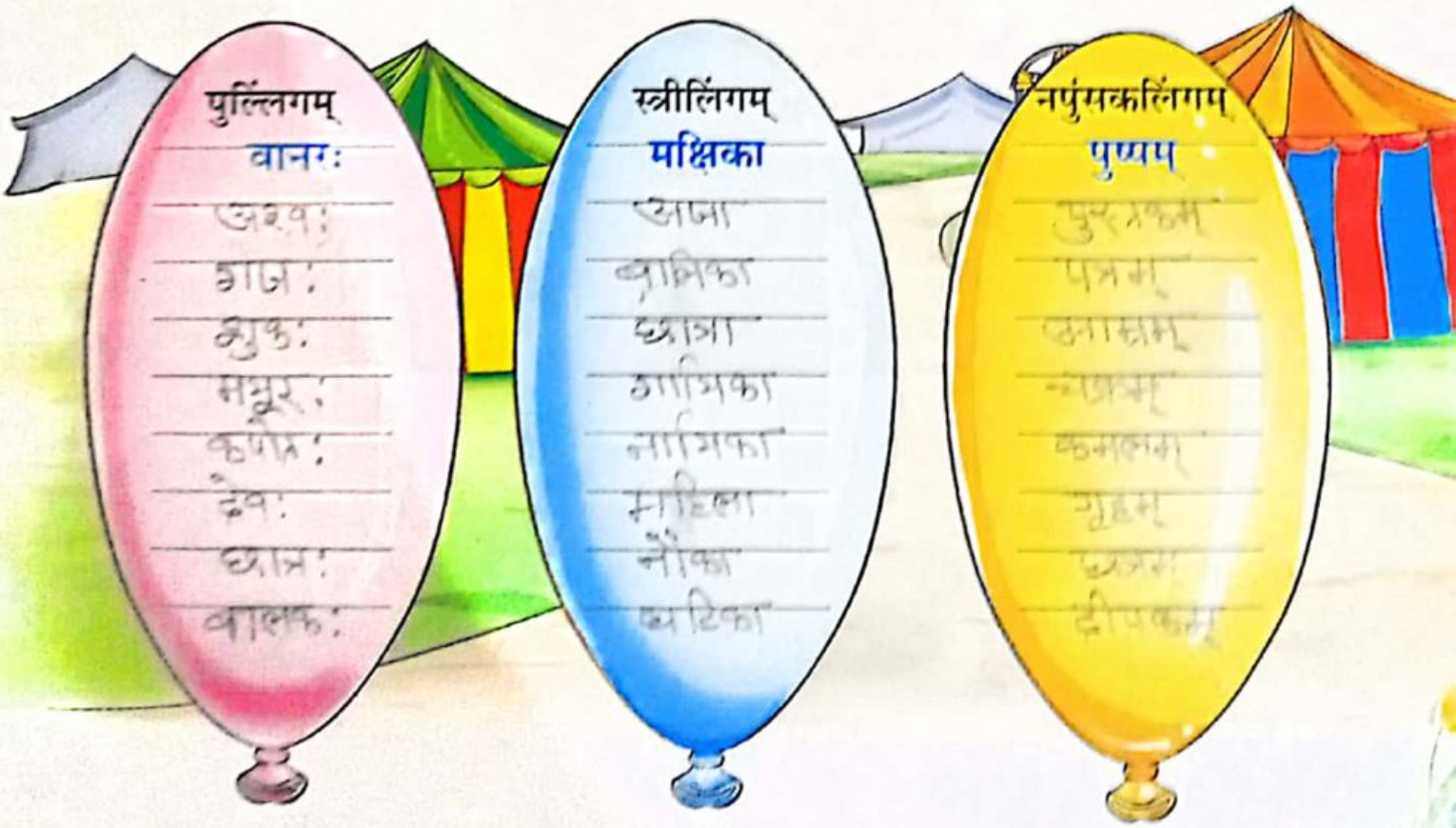




Scanned with CamScanner